पढ़ई तुँहर पारा

सामुदायिक विद्यालयों में बच्चों की पढ़ाई हेतु साप्ताहिक कैलेंडर

उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6 से 8)

17 अगस्त से 22 अगस्त

छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग

अगस्त 2020

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में**

व्यक्ति की गरिमा और [2][**राष्ट्र की एकता**

और अखंडता] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) "प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य" के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) "राष्ट्र की एकता" के स्थान पर प्रतिस्थापित।

उच्च प्राथमिक स्तर कक्षा (6 - 8)

विषय - हिंदी

1. सप्ताह की अवधारणा/दक्षता-

- सुनना, सुनकर समझना।

दिए गए गीत को हाव-भाव के साथ पढ़कर बच्चों को सुनाएं।
बच्चों के साथ मिलकर गीत गाएँ

वर्षा गीत

अहा-अहा जी वर्षा आई

पानी की बौछार हैं लाई

चम-चम बिजली चमके रे

बादल कैसे गरजे रे

नीचे दी गई गतिविधियों को सम्पन्न करें।

2. गतिविधियाँ -

गतिविधि - 1

1. शिक्षक, शिक्षा-सारथी द्वारा गीत को हाव-भाव के साथ सुनाया जाएगा।
2. उपस्थित छात्रों को चार समूह में बाँटा जाएगा।
3. समूहों को अ, ब, स, द नाम दिया जाएगा।
4. अ समूह को पहली पंक्ति, ब समूह को दूसरी पंक्ति, स समूह को तीसरी पंक्ति व द समूह को चौथी पंक्ति दोहराने कहा जाएगा।
5. दूसरे क्रम में द समूह प्रथम पंक्ति को, स समूह द्वितीय पंक्ति को, ब समूह तृतीय पंक्ति को और अ चतुर्थ पंक्ति को दोहराएगा। इसी तरह क्रम बढ़ता जाएगा।

3. वर्क शीट - छात्र स्वयं चित्र बनाएंगे।

नाव

मछली

तालाब

इन्द्रधनुष

4. उचित संबंध जोड़िए -

तालाब	गरजना
बिजली	कमल
बारिश	पक्षी
कोकिला	वर्षा
बादल	चमकना

4. आकलन

(छात्र एक शब्द में उत्तर देंगे)

1. पानी की बौछारें कब पड़ती हैं?

2. बिजली कहाँ/कैसे चमकती है?

3. बरसात में कोकिला क्या कर रही है?

4. बरसात में भीगने पर कैसा लगता है?

गतिविधि - 2

- ⇨ शिक्षक, शिक्षक सारथी बच्चों को दो समूहों में बाटेंगे।
- ⇨ एक समूह का नाम कछुआ व दूसरे समूह का नाम खरगोश रखेंगे।
- ⇨ बच्चों को ध्यान से सुनने का निर्देश देंगे।
- ⇨ शिक्षक अब बच्चों को कछुआ व खरगोश की कहानी सुनाएँगे।
- ⇨ कहानी सुनाने के पश्चात् कछुआ समूह से कछुआ के बारे में व खरगोश समूह से खरगोश के बारे में तीन-तीन बातें बताने को कहेंगे।
- ⇨ बच्चों के घरों में पाले गए जीव-जंतुओं के बारे में पूछेंगे।

3. वर्कशीट

1. बच्चे निम्नानुसार जीवों के नामांकित चित्र बनाएँगे।

पानी में रहने वाला जीव	पेड़ पर रहने वाला जीव
जंगल में रहने वाला जीव	घर में रहने वाला जीव

1. नीचे गोले में दिए गए शब्दों को पढ़कर कौन कहाँ रहता है बताइए-

बन्दर मछली कछुआ छिपकली

मगरमच्छ साँप शेर

भालू चमगादड़ चूहा

पानी में -	....	....	....
वृक्ष में -	....	....	....
बिल में -	....	....	....
जंगल में -	....	....	....
दीवार में -	....	....	....

4. आकलन -

1. अपको कहानी कैसी लगी बताइए? (बच्चे उत्तर देंगे)
2. कछुआ व खरगोश में से आपको कौन पसंद आया? (बच्चे उत्तर देंगे)
3. खरगोश के सो जाने से क्या हुआ?
4. खरगोश को बीच में सोना चाहिए था क्या?

5. सुझाव-

1. इसी प्रकार अन्य गीत कविताओं से गतिविधियाँ कराई जा सकती है।
2. स्थानीय भाषा, में इस गतिविधियों को कराया जा सकेगा।

विषय - गणित

1. सप्ताह की अवधारणा/दक्षता:-

- पूर्णांकों पर संक्रियाएँ (बच्चे खेल खेल में पूर्णांकों का योग करना सीखेंगे)।

2. गतिविधियाँ -

गतिविधि 1 - पूर्णांकों पर संक्रियाएँ।

- बच्चे खेल-खेल में गणित के पूर्णांकों पर संक्रियाओं के तहत पूर्णांकों का योग कर सकेंगे।

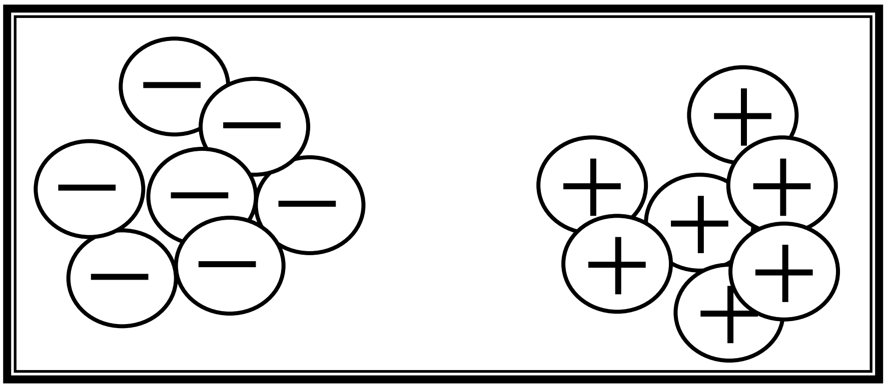

आवश्यक सामग्री - कार्ड बोर्ड, कैंची, पेन्सिल, ढक्कन

बनाने की विधि: सर्वप्रथम हम एक पुराना कार्ड बोर्ड ले लेते हैं। उसमें एक ढक्कन की सहायता से बहुत सारे छोटे-छोटे वृत्त बना लेते हैं, पेंसिल से चिन्ह लगा लेते हैं। अब सारे वृत्तों को कैंची की सहायता से काट लेते हैं। अब आधे सिक्कों में धन का चिन्ह बना लेते हैं और आधे सिक्कों में ऋण का चिन्ह पेन से बना लेते हैं।

- इस प्रकार पर्याप्त संख्या में धन व ऋण चिन्ह वाले सिक्के बना लेते हैं।
- क्रिया/गतिविधि - कक्षा में बारी-बारी से बच्चों को ब्लैक बोर्ड में एक-एक सवाल देकर टी. एल. एम. के द्वारा हल करने को कहते हैं। बच्चे रूचि से करते हैं।

  उदाहरण: (1) -6 + 4
- इसको हल करने के लिए हम एक छात्र को बुलाते हैं। छात्र आता है और सवाल को पढ़कर पहले ऋण वाले छः सिक्के निकालता है। फिर धन वाले चार सिक्के निकालता है। अब एक धन व एक ऋण सिक्के की जोड़ी बनाते जाता है। अंत में दो ऋण के सिक्के बच जाते हैं। जो कि हमारा उत्तर होता है।

- हम बच्चों को पहले से यह बता दिए रहते हैं कि एक धन व एक ऋण की जोड़ी बनाते हैं तो उसका मान शून्य हो जाता है। जो आपके पास सिक्के बचते हैं वही आपके सवाल का हल होगा।
- शिक्षक विभिन्न संख्या में बच्चों से सिक्के लेने को कहें और उत्तर तक पहुँचने में मदद करें।
- इस गतिविधि को बच्चों से दोहराने को कहें।

इस गतिविधि से संख्याओं पर संक्रियाओं की समझ विकसित कर सकेंगे।

सुझाव- यह गतिविधि दो अलग अलग रंगों के बीजों से भी कर सकते हैं।

गतिविधि 2- पूर्ण संख्याओं के योग में क्रमविनिमेय नियम का सत्यापन करना।

आवश्यक सामग्री - कागज/ गत्ते के वर्गाकार टुकड़े, जिसमें कुछ टुकड़ों को छायांकित 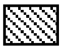 कर लेंगे|

1. बच्चों को इच्छानुसार दोनों प्रकार के टुकड़े देंगे| जिसमें दोनों प्रकार के टुकड़ों की संख्या अलग होगी |
2. इसके बाद नीचे दिए गए चित्रानुसार पहले छायांकित टुकड़े को फिर सफ़ेद टुकड़े को जमीन पर रखने के लिए कहेंगे तथा टुकड़ों को गिनकर लिखने के लिए कहेंगे|

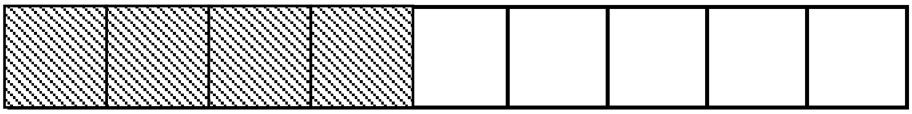

$$4 + 5 = 9$$

3. अब छायांकित टुकड़े और सफ़ेद टुकड़े के क्रम को परस्पर बदलकर पुन: जमीन पर चित्रानुसार रखने के लिए कहेंगे |

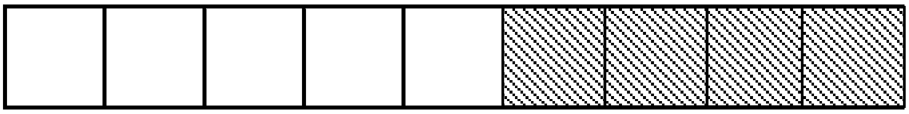

$$5 + 4 = 9$$

6. बच्चों से अवलोकन कराएं कि क्या 4 + 5 = 5 + 4 = 9

7. इस क्रियाकलाप को अन्य संख्याओं के साथ करवाकर क्रमविनिमेय नियम का सत्यापन कराएं।

इस गतिविधि से संख्याओं के गुणधर्म क्रमविनिमेय नियम से परिचित हो सकेंगे।

सुझाव - इसी क्रियाकलाप को अन्य सामग्रियों जैसे- कंचे, इमली के बीज, पासे आदि से किया जा सकता है।

3. वर्कशीट्सः-

मैदान पर एक सरल रेखा बनाएं तथा रेखा के मध्य भाग पर निशान लगाएं। मध्यभाग के दोनों ओर बराबर दूरी पर निशान लगाएं।

नीचे लिखे तालिका को पूरा करो।

क्र.	**गतिविधि**	**मध्य भाग से कहां पर है?**
उदाहरण-	**मध्य से 5 भाग आगे जाकर 3 भाग वापस आने पर कहां पर होंगे?**	**मध्य से 2 भाग आगे**
1.	मध्य से 4 भाग पीछे जाकर 1 भाग वापस आने पर कहां पर होंगे?	
2.	मध्य से 2 भाग आगे जाकर 3 भाग वापस आने पर कहां पर होंगे?	
3.	मध्य से 2 भाग पीछे जाकर 2 भाग वापस आने पर कहां पर होंगे?	
4.	मध्य से 1 भाग आगे जाकर 3 भाग वापस आने पर कहां पर होंगे?	
5.	मध्य से 6 भाग पीछे जाकर 6 भाग वापस आने पर कहां पर होंगे?	

तालिका पूरा करें।

क्र.	**प्रश्न**	**जाँच करना**	**क्या क्रमविनिमेय नियम का पालन होता है? (हाँ/नहीं)**
उदाहरण-	**क्या संख्या 3 और 5 योग संक्रिया के लिए क्रमविनिमेय नियम का पालन करता है?**	**3 + 5 = 8** **5+ 3= 8**	**हाँ** **(क्योंकि दोनों बराबर है।)**
1.	क्या संख्या -3 और 4 योग संक्रिया के लिए क्रमविनिमेय नियम का पालन करता है?		
2.	क्या संख्या 4 और -5 योग संक्रिया के लिए क्रमविनिमेय नियम का पालन करता है?		
3.	क्या संख्या -8 और 8 योग संक्रिया के लिए क्रमविनिमेय नियम का पालन करता है?		
4.	क्या संख्या 0 और -6 योग संक्रिया के लिए क्रमविनिमेय नियम का पालन करता है?		
5.	क्या संख्या -7 और -7 योग संक्रिया के लिए क्रमविनिमेय नियम का पालन करता है?		

आकलन

प्रश्न 1. कोई भी 2 संख्या लिखे और योग संक्रिया के लिए क्रमविनिमेय नियम की जाँच करें।

प्रश्न 2. क्या मोजे पहने, जूते पहने में क्रमविनिमेय नियम का पालन होता है? बताइए।

प्रश्न 3. कोई भी 2 ऋणात्मक संख्या लिखे और योग संक्रिया के लिए क्रमविनिमेय नियम की जाँच करें।

प्रश्न 4. जोड़ और घटाव करने के लिए दो तरीके बताएं।

विषय - विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

1. सप्ताह की अवधारणा/दक्षता-

- पर्यावरण के घटकों को समझना।

2. गतिविधियाँ -

गतिविधि 1 -

उद्देश्य - पर्यावरण के घटक की जानकारी।

आवश्यक सामग्री- कंकड़-पत्थर, पेड़-पौधे इत्यादि।

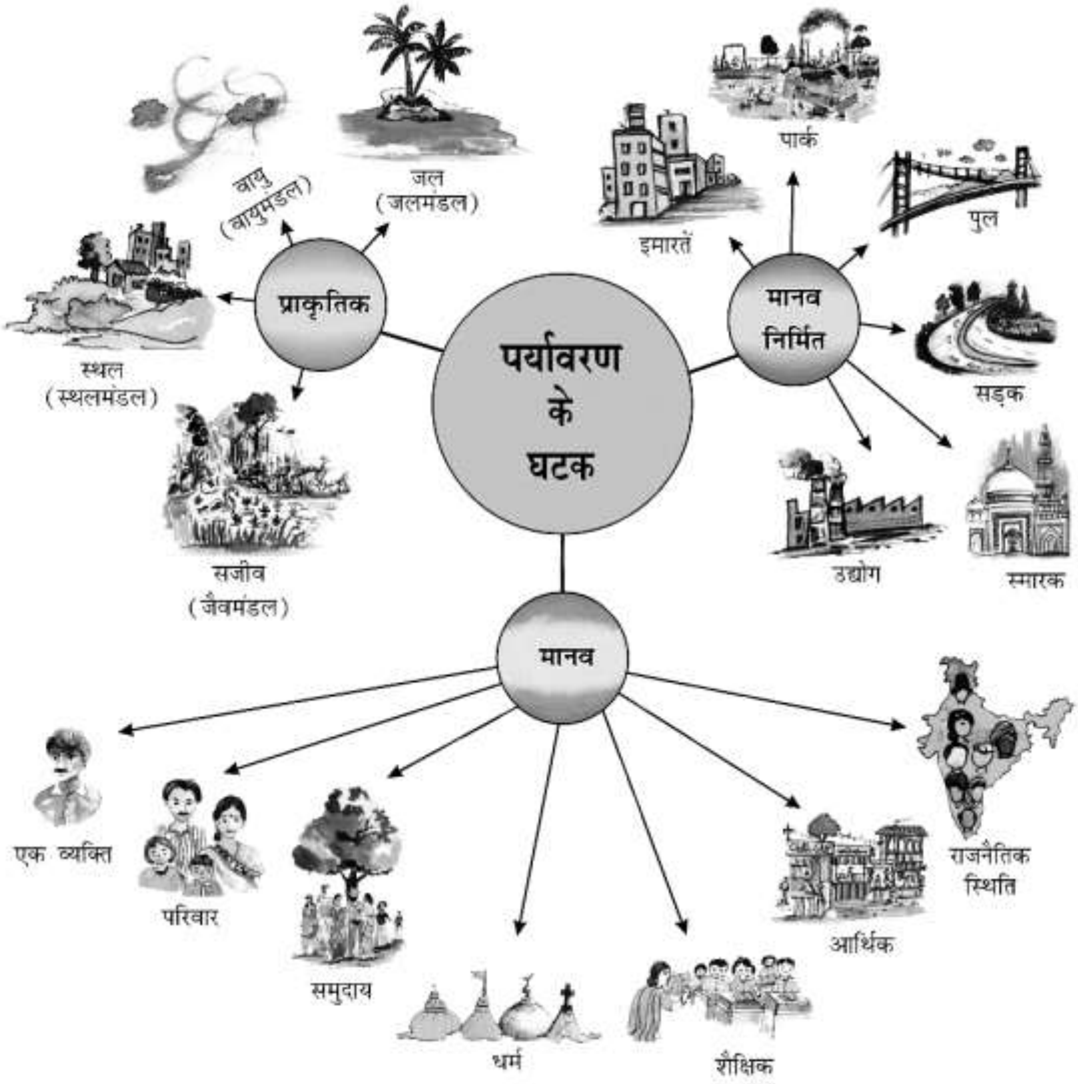

चित्र 1.1 : पर्यावरण के घटक

1. शिक्षक/पालक/प्रेरक/गणमान्य नागरिक बच्चों को पास के मैदान में ले जाएं और कहें कि आप अपने आस-पास जो भी चीजें देख रहे हैं उसे लिखें-

    a. __________________

    b. __________________

2. बच्चों द्वारा लिखी चीजों से नीचे की सारणी को पूर्ण करने के लिए कहें-

सारणी - 01

क्र.	**निर्जीव घटक**	**सजीव घटक**	
		पौधे	**जंतु**
1.			

3. कक्षा के बच्चों को 3 समूहों में बांटा जाएगा। जिसके 2 समूह आपस में जीव-जंतुओं के नामों की अन्ताक्षरी खेलेंगे तथा इन दोनों समूहों द्वारा प्रयुक्त नामों वाले जीव-जंतुओं की खाद्य-विशेषताओं को तीसरा समूह आपस में चर्चा कर अपनी कॉपी में लिखेगा। जैसे-

समूह 'अ' ने कहा "कुत्ता"

समूह 'ब' - कुत्ता रोटी तथा चूहा दोनों खाता है, अतः यह सर्वाहारी जंतु है।

समूह 'स' - अपनी कॉपी में लिखेंगे

अब समूह 'ब' एक जंतु का नाम लेंगे और समूह 'अ' उसकी खाद्य-विशेषता के विषय में बताएँगे।

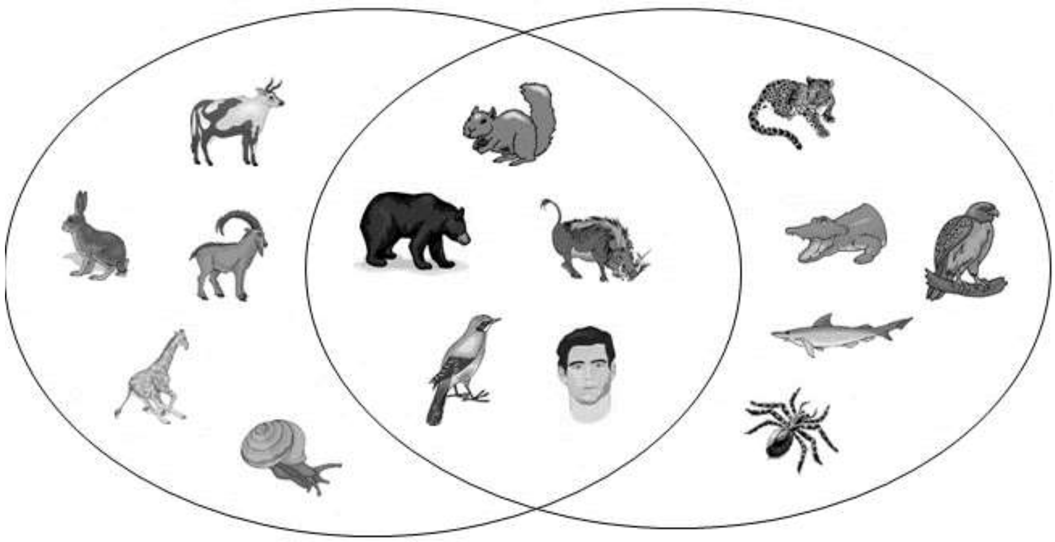

4. बच्चों द्वारा उपरोक्त गतिविधि के अंतर्गत लिखे गए जंतुओं की जानकारी से निम्न सारणी को पूर्ण करने को कहें-

सारणी - 02

क्र.	केवल घास, एवं पौधों को खानेवाले जंतुओं के नाम	केवल छोटे जीव-जंतुओं को खानेवाले जंतुओं के नाम	दोनों प्रकार अर्थात् घास, पौधे एवं जीव जंतुओं को खानेवाले जंतुओं के नाम
1.			
2.			
3.			

बच्चों ने सीखा-

a. ब्रम्हाण्ड में स्थित सभी चीजें पर्यावरण के घटक हैं।

b. पर्यावरण के घटक दो प्रकार के होते हैं-

   i. सजीव घटक

   ii. निर्जीव घटक

c. जंतुओं को तीन वर्गों में बाँटा जा सकता है-

   i. शाकाहारी

   ii. माँसाहारी

   iii. सर्वाहारी

गतिविधि 2 -

उद्देश्य - पर्यावरण का घटक- जल, जल के प्रकार एवं जल स्त्रोतों सम्बन्धी अवधारणा को समझना ।

आवश्यक सामग्री-

विभिन्न स्त्रोतों का जल, साबुन, पानी रखने का पात्र।

1. शिक्षक/पालक/प्रेरक/सामान्य नागरिक बच्चों को निर्देशित करेंगे कि वे अलग-अलग स्त्रोतों से पानी लेकर आएं, जैसे-
   तालाब, कुएँ, नाला, हैन्डपम्प इत्यादि।
2. शिक्षक इस पानी में साबुन घोलकर दिखाएंगे।

3. अवलोकन:

a. क्या साबुन सभी पानी में समान रूप से घुलता है?
b. किस पानी में साबुन जल्दी और किसी पानी में देर से घुलता है। सारिणी भरें-

सारणी - 01

क्र.	जिसमें साबुन जल्दी घुलता है (स्त्रोत)	जिसमें साबुन देर से घुलता है (स्त्रोत)
1.		
2.		
3.		
4.		

3. शिक्षक मृदुजल और कठोर जल की अवधारणा को समझाएंगे।
   बच्चों द्वारा विभिन्न स्त्रोतों से लाये गए जल को देखकर निम्नानुसार सारणी को भरें-

सारणी - 02

क्र.	जल स्त्रोत	जल पीने योग्य है/नहीं	कारण
1.			
2.			
3.			
4.			

4. जल किन-किन कारणों से प्रदूषित होता है एवं प्रदूषण को रोकने के उपाय-
5. शिक्षक बच्चों को चार समूह में बाँटकर प्रत्येक समूह को तालाब, कुआँ, नाला व हैन्डपम्प नाम दें। प्रत्येक समूह अपने स्रोतों में होने वाले प्रदूषण के कारण एवं प्रदूषण रोकने के उपाय की चर्चा करेंगे और निम्नानुसार सारणीबद्ध करेंगे।

सारणी - 03

क्र.	जल स्त्रोत	प्रदूषित होने के कारण	प्रदूषण रोकने के उपाय
1.	**तालाब**		
2.	**कुआँ**		
3.	**नाला**		
4.	**हैंडपंप**		

बच्चों ने सीखा-

1. मृदु जल एवं कठोर जल का ज्ञान
2. जल स्त्रोतों का ज्ञान
3. जल प्रदूषण के कारण
4. जल प्रदूषण को रोकने के उपाय

4. वर्कशीट - प्रथम सप्ताह

1. पर्यावरण के घटक........................ प्रकार के होते हैं।
2. पेड़-पौधे....................घटक हैं।
3. जल........................घटक है।
4. जिस जल में साबुन आसानी से घुलता है वह........................जल कहलाता है।
5. तीन माँसाहारी जंतुओं के नाम लिखिए।

   उत्तर:

   a. ....
   b. ....
   c. ....
6. पाँच शाकाहारी जंतुओं के नाम लिखिए।

   उत्तर:

   a. ....
   b. ....
   c. ....
   d. ....
   e. ....

7. तालाब के पानी के प्रदूषित होने के तीन कारण लिखिए।

उत्तर:

a. ....

b. ....

c. ....

8. जल प्रदूषण को रोकने की तीन उपाय बताइए।

उत्तर:

a. ....

b. ....

c. ....

9. प्रमुख जल स्त्रोतों के नाम लिखिए।

उत्तर:

a. ....

b. ....

c. ....

d. ....

10. पर्यावरण के तीन निर्जीव घटकों के नाम लिखिए।

उत्तर:

a. ....

b. ....

c. ....

5. आकलन

प्र.1 भालू को शहद पसंद है पर वह मछली भी बड़े चाव से खाता है, बताइए आहार पद्धति के अनुसार भालू कौन सा जीव है (शाकाहारी, माँसाहारी, सर्वाहारी) -

प्र.2 मेरे मामा ने कहा कि उनके गाँव का पानी बहुत मीठा हैं, वह कैसे जल के विषय में कह रहे थे- (कठोरजल /मृदुजल)

प्र.3 क्या तालाब में पशुओं को नहलाना आपके अनुसार उचित है? कारण सहित समझाइए।

प्र.4 अपनी भोजन की आदतों का विश्लेषण कर कारण सहित बताइए कि आप किस आहार पद्धति के हैं?

समुदाय के लोगों से परस्पर संवाद (सुझावात्मक) :

बच्चों की सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका है। हमारा प्रयास है कि समुदाय के अनुभवों का लाभ बच्चों को मिले। बच्चे पर्यावरण, स्वास्थ्य, स्वच्छता के प्रति सजग हों, प्रकृति और समाज के साथ अपने रिश्तों की पहचान कर सकें। समुदाय के साथ रह कर सामाजिक भावना को आत्मसात कर सकें। प्राथमिक स्तर से ही बच्चे के व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया प्रारंभ होती है। यहाँ बच्चों के पास है- जिज्ञासा, कौतुहल, ढेर सारे सवाल। यहीं से शुरू होता है, हम बड़ों का दायित्व बच्चों में समुचित खान-पान, रहन-सहन, स्वच्छता, अच्छी आदतों और सामाजिक जिम्मेदारियों की भावना विकसित करना।

पढ़ने-पढ़ाने के दौरान बच्चे ने कितना सीखा, कहाँ कठिनाई आई, उसे पहचानना और दूर करना हम बड़ों की जिम्मेदारी है। यह कार्य हमें बच्चों पर दबाव डाल कर नहीं आनन्द के साथ करना होगा।

हमें समुदाय से विभिन्न व्यवसायों, सेवा क्षेत्रों, कार्यों, कौशलों से जुड़े सदस्यों को बच्चों के शिक्षण से जोड़ना है, जिससे बच्चे समुदाय के अनुभवों का लाभ उठा कर उनसे सीख सकें।

सुझावात्मक सत्र इस प्रकार हैं -

1. **परिवेश के किसान से चर्चा-** परिवेश में निवास करने वाले किसान से बीजारोपण, पौधों/फसल, कटाई और भंडारण की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। इस चर्चा से बच्चे फसल की बुवाई, फसल के पकने, कटाई और उनके भंडारण की पूरी प्रक्रिया पर समझ बना सकेंगे।
2. **माता-पिता से चर्चा (कहानी सुनना)**- अभिभावकों या समुदाय से ऐसे माता- पिता को अपने साथ जोड़ना जो बच्चों को मूल्यपरक प्रेरणादायी कहानियाँ सुना सकें। इन कहाँनियों से बच्चे स्वयं कहानी कहना, विश्लेषण करना, तर्क करना और मूल्यों की शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं।

यह सत्र सुझावात्मक हैं, आप अपने परिवेश से सुविधानुसार अन्य क्षेत्रों के सामुदायिक सदस्य को सत्र संचालन हेतु आमंत्रित कर सकते हैं।

===000===

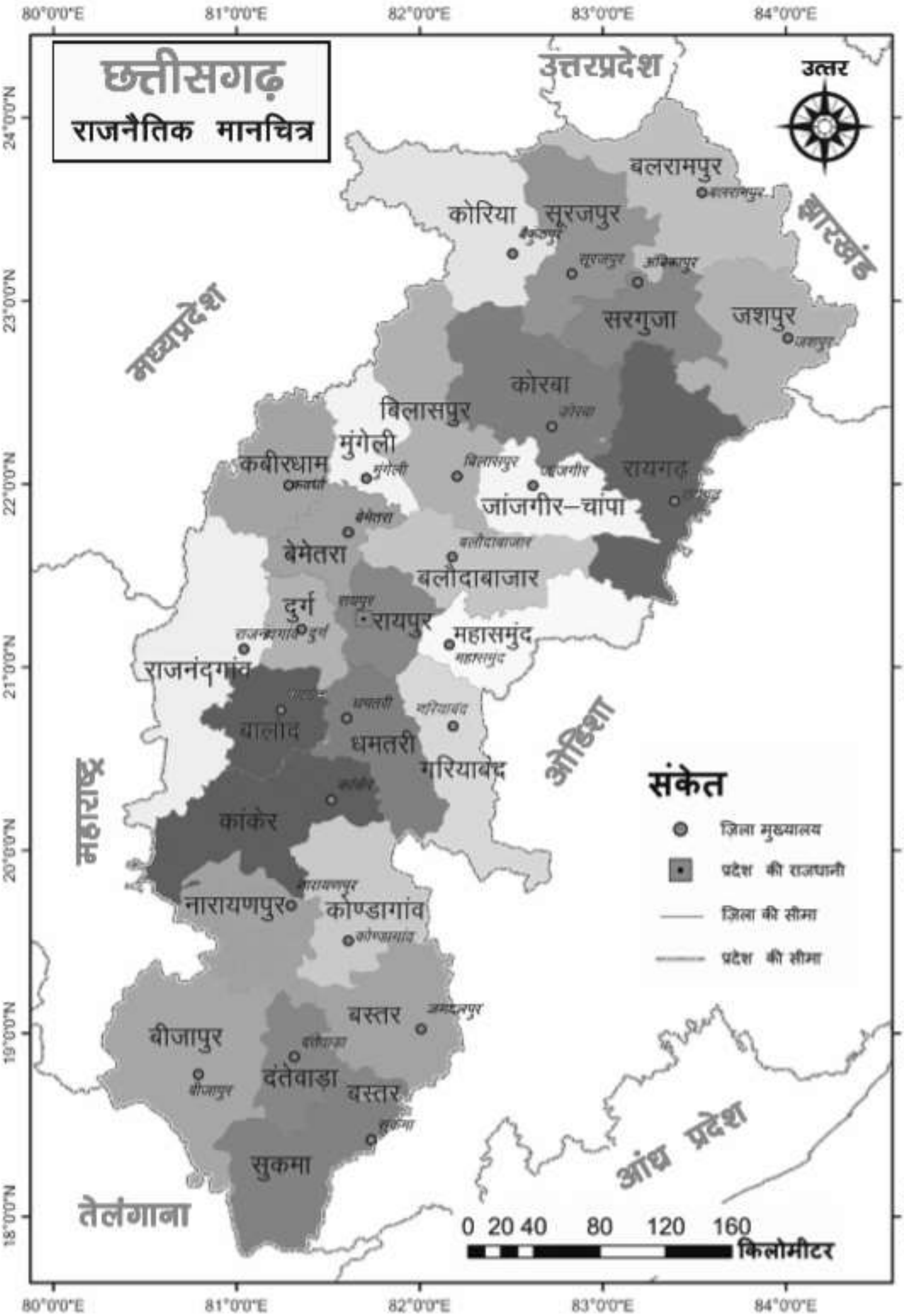
छत्तीसगढ़
राजनैतिक मानचित्र
उत्तर
उत्तरप्रदेश
झारखंड
मध्यप्रदेश
ओडिशा
महाराष्ट्र
तेलंगाना
आंध्र प्रदेश
बलरामपुर
कोरिया
सूरजपुर
सरगुजा
जशपुर
कोरबा
बिलासपुर
मुंगेली
कबीरधाम
रायगढ़
जांजगीर–चांपा
बेमेतरा
बलौदाबाजार
दुर्ग
रायपुर
महासमुंद
राजनंदगांव
बालोद
धमतरी
गरियाबंद
कांकेर
नारायणपुर
कोण्डागांव
बस्तर
बीजापुर
दंतेवाड़ा
सुकमा
संकेत
ज़िला मुख्यालय
प्रदेश की राजधानी
ज़िला की सीमा
प्रदेश की सीमा
0 20 40 80 120 160
किलोमीटर
80°0'0"E
81°0'0"E
82°0'0"E
83°0'0"E
84°0'0"E
24°0'0"N
23°0'0"N
22°0'0"N
21°0'0"N
20°0'0"N
19°0'0"N
18°0'0"N

नोवल 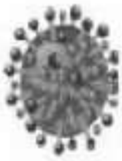 कोरोनावायरस (COVID-19)

— खुद रहें सुरक्षित, दूसरों को रखें सुरक्षित —

क्या करें और क्या ना करें

क्या करें ✓

बार-बार हाथ धोएं। जब आपके हाथ स्पष्ट रूप से गंदे न हों, तब भी अपने हाथों को अल्कोहल - आधारित हैंड वॉश या साबुन और पानी से साफ करें

छींकते और खांसते समय, अपना मुंह व नाक टिशू/रूमाल से ढकें

प्रयोग के तुरंत बाद टिशू को किसी बंद डिब्बे में फेंक दें

अगर आपको बुखार, खांसी और सांस लेने में कठिनाई है तो डॉक्टर से संपर्क करें। डॉक्टर से मिलने के दौरान अपने मुंह और नाक को ढंकने के लिए मास्क/कपड़े का प्रयोग करें

भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें

क्या न करें ⊗

यदि आपको खांसी और बुखार का अनुभव हो रहा हो, तो किसी के साथ संपर्क में ना आयें

अपनी आंख, नाक या मुंह को ना छूयें

सार्वजनिक स्थानों पर ना थूकें

हम सब साथ मिलकर कोरोनावायरस से लड़ सकते हैं